



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 340]
No. 340]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 6, 1983/श्रावण 15, 1905
NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 6, 1983/SRAVANA 15, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

श्रावण

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 1983

का० आ० 561(अ) —मैसर्स जे० के० रेयन्स नाम औद्योगिक उपक्रम जो मैसर्स जे० के० काटन स्पिनग मंड्री वीविंग मिल्स कंपनी लिमिटेड, कानपुर के स्वामित्व में है, अनुसूचित उद्योग अर्थात् टैक्सटाइल उद्योग में लगा हुआ है ;

और, केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम में विनिर्मित विस्कोस फाइब्रामेंट मुन के उत्पादन के परिमाण में पर्याप्त कमी हुई है और उसकी क्वालिटी में ह्रास हुआ है जिसके लिए, वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, कोई औचित्य नहीं है ;

और, केन्द्रीय सरकार की यह भी राय है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध, टैक्सटाइल उद्योग के लिए या लोकहित के लिए अत्यंत हानिकार रीति से किया जा रहा है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मामले की परिस्थितियों का विस्तृत और पूरा अन्वेषण करने के प्रयोजन के लिए, व्यक्तियों का ऐसा निकाय नियुक्त करती है, जो निम्नलिखित में मिलकर बनेगा :—

- (i) श्री सुरेश कुमार, अपर टैक्सटाइल आयुक्त, वाणिज्य मंत्रालय —अध्यक्ष
- (ii) श्री अणोक कुमार, निदेशक, बैंकिंग विभाग, वित्त मंत्रालय —सदस्य
- (iii) श्री एन० डी० भाटिया, निदेशक (निरीक्षण और अन्वेषण), कंपनी कार्य विभाग, विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय —सदस्य
- (iv) श्री रवि प्रकाश, विशेष सचिव उद्योग, उत्तर प्रदेश सरकार —सदस्य
- (v) श्री बी० के० मल्होत्रा, प्रबंधक, आई० एफ० सी० आई० —सदस्य

(vi) श्री एस० एल० अग्रवाल, कंपनी सचिव, एल० टी० सी०, उत्तर प्रदेश —सदस्य-सचिव

2. उपरोक्त निकाय अपनी रिपोर्ट, इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दो सप्ताह की अवधि के भीतर देगा ।

[फ़ा० सं० 3(4)/83-सी०यू०एस]
ए० पी० सरवान, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 6th August, 1983

S.O. 561(E).—Whereas the Industrial undertaking known as Messrs J. K. Rayons owned by Messrs J. K. Cotton Spinning and Weaving Mills Company Limited, Kanpur, is engaged in the Scheduled industry, namely, the Textiles industry;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that there has been substantial fall in the volume of production and deterioration in quality in respect of Viscose Filament yarn manufactured in the said industrial undertaking, for which, having regard to the economic conditions prevailing, there is no justification;

And, whereas, the Central Government is further of the opinion that the said Industrial Undertaking is being managed in a manner highly detrimental to the Textiles industry and to public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making a full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of :—

- (i) Shri Suresh Kumar, Additional Textile Commissioner, Ministry of Commerce
—Chairman.
- (ii) Shri Ashok Kumar, Director, Department of Banking, Ministry of Finance.
—Member.
- (iii) Shri N. D. Bhatia, Director (Inspection & Investigation) Department of Company Affairs, Ministry of Law, Justice & Co. Affairs
—Member.
- (iv) Shri Ravi Prakash, Special Secretary Industries, Government of Uttar Pradesh
—Member
- (v) Shri B. K. Malhotra, Manager, IFCI
—Member.
- (vi) Shri S. N. Agarwal, Company Secretary, NTC, UP
—Member-Secretary.

2. The above body shall submit its report within a period of two weeks from the date of publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 3(4)/83-cus]
A. P. SARWAN, Jt. Secy.